करियर शीट · CAREER SHEET

Bamboo Cultivator

बाँस उत्पादक बाँस की खेती, देखभाल और उससे बने उत्पादों का उत्पादन करते हैं। बाँस एक बहुउपयोगी वनस्पति है जिसका उपयोग निर्माण, फर्नीचर, कागज, अगरबत्ती और हस्तशिल्प में होता है। यह पर्यावरण के अनुकूल और तेजी से बढ़ता ग्रीन उद्योग...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/bamboo-cultivator

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी
Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

बाँस उत्पादक बाँस की खेती, देखभाल और उससे बने उत्पादों का उत्पादन करते हैं। बाँस एक बहुउपयोगी वनस्पति है जिसका उपयोग निर्माण, फर्नीचर, कागज, अगरबत्ती और हस्तशिल्प में होता है। यह पर्यावरण के अनुकूल और तेजी से बढ़ता ग्रीन उद्योग है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	कक्षा 12 + प्रमाणित प्रशिक्षण
आरंभिक वेतन	₹25,000/माह
कार्य-शैली	फील्ड जॉब / स्वरोजगार
माँग	बढ़ती (ग्रीन इकोनॉमी)

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- हाथ से और खुली प्रकृति में काम करना
- चीजों को व्यवस्थित रखना और योजना बनाना
- नेतृत्व करना और लोगों को साथ लेना

क्षमताएँ

- आकार और स्थान की समझ
- यंत्र और उपकरणों के साथ काम करना
- चीजों के बीच संबंधों की समझ

ज़रूरी कौशल

- बाँस की उपयुक्त प्रजाति का चयन
- रोपण, ड्रिप सिंचाई और नर्सरी प्रबंधन
- मृदा और जल प्रबंधन
- कटाई और बाँस का ट्रीटमेंट
- मूल्य संवर्धन (हस्तशिल्प, फर्नीचर)
- विपणन और बिक्री

4 कैसे पहुँचें

1. किसी भी संकाय से कक्षा 12 पूरी करें।
2. एग्रीकल्चर स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया का प्रमाणित प्रशिक्षण (AGR/Q1101) लें।
3. कृषि विश्वविद्यालय से बागवानी/कृषि में डिप्लोमा या डिग्री करें (वैकल्पिक)।
4. राष्ट्रीय बाँस मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण और सहायता लें।
5. फार्म/नर्सरी पर व्यावहारिक फील्ड अनुभव प्राप्त करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- ICAR AIEEA (कृषि स्नातक प्रवेश हेतु)
- राज्य कृषि विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (MPUAT) — उदयपुर (https://www.mpuat.ac.in)
- श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय (SKNAU) — जोबनेर, जयपुर (https://www.sknau.ac.in)
- स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (SKRAU) — बीकानेर
- शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (AFRI) — जोधपुर
- केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI) — जोधपुर

निजी संस्थान

- विद्या भवन सोसाइटी — उदयपुर
- बनस्थली विद्यापीठ (केवल महिलाओं के लिए) — निवाई, टोंक
- सुरेश ज्ञान विहार विश्वविद्यालय — जयपुर

ऑनलाइन

- स्वयं (SWAYAM) — ऑनलाइन (https://swayam.gov.in)
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) — ऑनलाइन/दूरस्थ
- वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय — कोटा

फ़ीस

प्रमाणित प्रशिक्षण की फीस लगभग ₹5,000 से ₹10,000 प्रतिवर्ष। डिप्लोमा/डिग्री की फीस संस्थान अनुसार अलग होती है। (आँकड़े अनुमानित)

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल / National Scholarship Portal (https://scholarships.gov.in)
- Buddy4Study (https://www.buddy4study.com)
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, राजस्थान (https://sje.rajasthan.gov.in)
- विद्या लक्ष्मी शिक्षा ऋण पोर्टल (https://www.vidyalakshmi.co.in)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

कृषि भूमि, बाँस नर्सरी, बाँस उत्पाद इकाई, अनुसंधान केंद्र और मार्केटिंग ऑफिस।

कार्य-संस्कृति

यह फील्ड जॉब है। स्थानीय यात्रा आम है। सप्ताह में लगभग 6 दिन, प्रतिदिन 8-9 घंटे काम। उद्यमिता के तहत स्वयं का व्यवसाय भी शुरू किया जा सकता है।

कौन नौकरी देता है

- राष्ट्रीय बाँस मिशन
- वन विभाग और वन विकास निगम
- किसान उत्पादक संगठन (FPO) और सहकारी
- खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC)
- बाँस आधारित उद्योग (अगरबत्ती, फर्नीचर, कागज)
- स्वरोजगार / बाँस उद्यमी

माँग (2026)

राष्ट्रीय बाँस मिशन और ग्रीन इकोनॉमी के कारण मांग बढ़ रही है। राजस्थान में KVIC की 'BOLD' परियोजना (उदयपुर) ने बंजर भूमि पर बाँस लगाकर आदिवासी आजीविका को बढ़ावा दिया है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. बाँस उत्पादक
2. फील्ड सुपरवाइजर
3. फार्म मैनेजर
4. बाँस उद्यमी

कमाई

शुरुआत	₹25,000/माह
मध्य स्तर	₹35,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹50,000+/माह

वेतन अनुमानित और परिवर्तनशील है। उद्यमिता में आय काफी अधिक हो सकती है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- पर्यावरण के अनुकूल और बढ़ता उद्योग
- कम लागत में स्वरोजगार की संभावना
- सरकारी मिशन और सब्सिडी का सहयोग

चुनौतियाँ

- फसल तैयार होने में कई साल लगते हैं
- खुले और कठिन मौसम में शारीरिक काम
- बाजार और मूल्य में उतार-चढ़ाव

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Shivaji Rajput
बाँस किसान, धुले (महाराष्ट्र)

शिवाजी राजपूत ने 25 एकड़ भूमि को टिकाऊ बाँस के बागान में बदला और 19 किस्में उगाकर लगभग ₹25 लाख सालाना कमाई की। उन्होंने लाखों पेड़ लगाए और पर्यावरण संरक्षण के लिए 30 से अधिक पुरस्कार जीते।

Krishi Jagran · https://krishijagran.com/success-story/maharashtra-bamboo-farmer-wins-over-30-awards-for-environmental-conservation-earns-rs-25-lakh-annually/

Techi Anna
बाँस उद्यमी, पापुम पारे (अरुणाचल प्रदेश)

16 साल की उम्र में विवाह और गरीबी से जूझते हुए टेची अन्ना ने बाँस हस्तशिल्प इकाई खड़ी की। आज वे 26 कारीगरों को रोजगार देती हैं, लगभग ₹50 लाख का कारोबार करती हैं और हजारों लोगों को बाँस शिल्प का प्रशिक्षण दे चुकी हैं।

30 Stades · https://30stades.com/2022/03/30/how-this-arunachal-woman-techi-anna-fought-poverty-bamboo-handicrafts-millionaire/

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर मार्गदर्शन (स्रोत) — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b8-%e0%a4%89%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%a6%e0%a4%95-bamboo-culivator/

2. KVIC BOLD परियोजना (राजस्थान) — https://theprint.in/india/kvic-plants-5000-special-bamboo-saplings-in-rajasthan-to-boost-tribals-income/689731/

3. NIRF संस्थान रैंकिंग — https://www.nirfindia.org

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in